दैनिक भास्कर sunday
भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह
पृष्ठ 16 + 4 | मूल्य 3.00 रु.
राष्ट्रीय संस्करण नई दिल्ली, 21 फरवरी 2010
www.bhaskar.com

कागज के बढ़ते दाम से पैकेजिंग उद्योग पर खतरा

भास्कर न्यूज . नई दिल्ली

पैकेजिंग उद्योग से जुड़े विभिन्न संगठनों की ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने उत्तर भारत की क्राफ्ट पेपर मिलों पर आरोप लगाया है कि ये सभी मिलें अनावश्यक रूप से दाम बढ़ा रही हैं, जिससे पैकेजिंग उद्योग खतरे में है। कमेटी के अधिकारियों ने कहा है कि इन मिलों ने एक महीने के अंदर पैकेजिंग पेपरों की कीमत में 3 से 4 हजार रुपए प्रति टन तक की बढ़ोतरी कर दी है। पैकेजिंग उद्योग का मुख्य रॉ मैटेरियल पेपर है। ऐसे में इस बढ़ोतरी से यह उद्योग लगभग बंद होने के कगार पर पहुंच रहा है। संयुक्त कार्रकारी समिति के संयोजक हरीश मदान ने कहा कि पेपर के अलावा पैकेजिंग उद्योग के लिए जरूरी अन्य वस्तुओं जैसे स्टार्च, स्टिचिंग वायर के मूल्य भी करीब 50 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इन बढ़ोतरी की वजह से कोरोगेटिड पैकेजिंग उद्योग बड़ी पेपर मिल्स व बड़े उपभोक्ताओं के बीच सैंडविच बन गया है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि इस बढ़ोतरी का असर अंतिम उपभोक्ता पर भी पड़ना तय है।

इसकी वजह यह है कि अगर दाम बढ़ते रहे तो पैकेजिंग महंगा हो जाएगा। जिसकी वसूली अंत में उपभोक्ता से बढ़ी कीमत के रूप में होगी। समिति ने सरकार से मांग की है कि क्राफ्ट पेपर पर आयात शुल्क शून्य करने के साथ ही इस उद्योग पर एक्साइज ड्यूटी कम की जाए। समिति ने अपनी मांगों और पेपर मिल्स की दाम बढ़ोतरी के खिलाफ 3 मार्च को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने का भी ऐलान किया है।